Hindustan, Bhagalpur 19-10-2019

बायोइंफॉर्मेटिक्स में कोर्स शुरू

भागलपुर | कार्यालय संवाददाता

बायोइंफॉर्मेटिक्स (जैव सूचना विज्ञान) में पहली बार सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स की पढ़ाई इस सत्र से शुरू हो जाएगी। इसके लिए नामांकन फॉर्म 21 अक्टूबर से 25 नवंबर तक मिलेगा। नामांकन पांच दिसंबर तक होगा। वहीं 10 दिसंबर से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

शुक्रवार को निदेशक प्रो. लीला चंद्र साह ने कहा कि टीएमबीयू में स्थापित एवं डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के द्वारा बिहार-झारखंड का एक मात्र जैव सूचना विज्ञान केंद्र में रोजगारपरक कोर्स की शुरुआत की गयी है। विवि के द्वारा स्वीकृत एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बायोइंफॉर्मेटिक्स कोर्स में 20,300 रुपए एवं छह माह के सार्टिफिकेट कोर्स इन बायोइंफॉर्मेटिक्स में 8,300 रुपए खर्च होंगे।

दोनों शार्ट टर्म कोर्स में 25-25 छात्रों का नामांकन लिया जाएगा। नामांकन मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा। इसके लिए छात्रों को फॉर्म केंद्र से सीधे या केंद्र व विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें विज्ञान संकाय के छात्र जिसमें बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जेनेटिक्स, केमिस्ट्री, फार्मेसी, फिजिक्स, गणित, इंजीनियरिंग के कोर्स करने वाले छात्र बायोइंफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं।

21 से मिलेगा फॉर्म

- बिहार-झारखंड के एक मात्र जैव सूचना विज्ञान केंद्र में होगी पढ़ाई
- दोनों शार्ट टर्म कोर्स में 25-25 छात्रों का नामांकन लिया जाएग
- 10 दिसंबर से कक्षाएं होंगी शुरू

रोजगार के काफी हैं अवसर

निदेशक ने बताया कि बायोइंफॉर्मेटिक्स प्रोफेशन डेटाबेस डिजाइन व मैंटेनेंस, सीक्वेंस एनालिसिस करने व प्रोटीन की संरचना का अध्ययन करने का काम कर सकते हैं। इन प्रोफेशनल के लिए विभिन्न कंपनियों में बतौर डेटा साइंटिस्ट, क्लीनिकल फार्माकॉलॉजिस्ट, इंफार्मेटिक्स डेवलपर, कंप्यूटेशनल केमिस्ट, बायो एनालिटिक्स आदि पदों पर नौकरी के अवसर हैं। रिसर्च एंड एनालिसिस के क्षेत्र में भी काफी मौका है।

PRABHAT KHABAR, Bhagalpur 19-10-2019

बायो इंफॉर्मेटिक्स के दो नये कोर्स को स्वीकृति

- पीजी डिप्लोमा इस बायोइंफॉर्मेटिक्स और छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स इन बायोइंफॉर्मेटिक्स की पढ़ाई शुरू होगी

संवाददाता ▷ भागलपुर

तिलकामांझी विश्वविद्यालय में बायो इंफॉर्मेटिक्स विषय से जुड़े दो कोर्स के शुरूआत को स्वीकृति दे दी गयी है. विश्वविद्यालय के बायोइंफॉर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक प्रो लीला चंद साहा ने बताया कि वर्तमान सत्र से एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा इस बायोइंफॉर्मेटिक्स का कोर्स शुरू होगा, वहीं दूसरे कोर्स छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स इन बायोइंफॉर्मेटिक्स की पढ़ाई शुरू होगी. दोनों कोर्स में इस बार नामांकन लिया जाएगा. कोर्स को टीएमबीयू प्रशासन ने स्वीकृति मिल गई है. प्रो. साहा ने बताया कि दोनों कोर्स छात्रों के लिए रोजगार के अवसर लाएंगे.

कितनी होगी फीस

एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की कुल फीस 20 हजार 300 रुपए होगी. वहीं सर्टिफिकेट कोर्स का शुल्क 8300 रुपए है. दोनों शॉर्ट टर्म कोर्स में इस बार 25-25 छात्रों का नामांकन लिया जाएगा. नामांकन मेधा के आधार पर होगा.

आवेदन कैसे करें

आवेदन फॉर्म विश्वविद्यालय के बायोइंफॉर्मेटिक्स सेंटर से या विवि की वेबसाइट से प्राप्त होगा. नामांकन फॉर्म 25 नवंबर तक जमा लिया जायेगा. नामांकन की प्रक्रिया पांच दिसंबर तक चलेगी और कक्षाएं 10 दिसंबर से शुरू होंगी.

एडमिशन के लिए योग्यता : साइंस से ग्रेजुएट या पीजी डिग्रीधारक छात्रों को दोनों कोर्स में दाखिले का मौका मिलेगा. बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जेनेटिक्स, केमिस्ट्री, फार्मेसी, फिजिक्स, गणित, इंजीनियरिंग के छात्र बायोइंफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं.

DAINIK JAGRAN, Bhagalpur 19-10-2019

बायोइंफॉर्मेटिक्स का सर्टिफिकेट कोर्स होगा शुरू

टीएमबीयू प्रशासन ने दी स्वीकृति **25 सीटों पर** फिलहाल मेधा के आधार पर होगा नामांकन

जासं, भागलपुर : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के बायोइन्फॉर्मेटिक्स सेंटर में वर्तमान सत्र से पीजी डिप्लोमा इन बायोइंफॉर्मेटिक्स और छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स इन बायोइंफॉर्मेटिक्स की पढ़ाई शुरू होगी।

यह जानकारी केंद्र निदेशक प्रो. लीला चंद साहा ने दी। कहा कि इन पाठ्यक्रमों में पहली दफा नामांकन लिया जाएगा। कोर्स को विवि प्रशासन से स्वीकृति मिल गई है। एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की कुल फीस 20 हजार 300 रुपये तथा सर्टिफिकेट कोर्स का शुल्क 8300 रुपये है। केंद्र निदेशक ने बताया कि दोनों शॉर्ट टर्म कोर्स में इस बार 25-25 छात्रों का नामांकन लिया जाएगा। नामांकन मेधा के आधार पर होगा। फॉर्म केंद्र या विवि की वेबसाइट से प्राप्त होगा। नामांकन फॉर्म 25 नवंबर तक जमा लिया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया पांच दिसंबर तक चलेगी और कक्षाएं 10 दिसंबर से शुरू होंगी। प्रो. साहा ने बताया कि दोनों कोर्स छात्रों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

योग्यता : बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जेनेटिक्स, केमिस्ट्री, फार्मेसी, फिजिक्स, गणित व इंजीनियरिंग के छात्र बायोइंफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। साइंस से ग्रेजुएट छात्र दोनों कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। साइंस से पीजी किए हुए छात्रों को भी मौका मिलेगा।

एक महीने में होगा सेवानिवृत्त शिक्षकों की समस्या का समाधान

जागरण संवाददाता, भागलपुर : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक कल्याण संघ का एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति डॉ. एके राय से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की। इसपर कुलपति ने एक महीने में समाधान का भरोसा दिया। सेवानिवृत शिक्षकों ने नया वेतनमान के आधार पर पेंशन निर्गत करने की मांग की। इसपर कुलपति ने कहा कि सरकार से निर्देश मिलने के बाद नया वेतनमान के आधार पर भुगतान होगा। संघ ने एक कमरा आवंटन की मांग की, जहां सेवानिवृत शिक्षक बैठेंगे। कुलपति ने पेंशन सेल के सामने बंद पड़े कमरे का आवंटन करने का निर्देश दिया। शिष्टमंडल में डॉ. रामचरित्र सिंह, अर्जुन प्रसाद, विजेंद्र नारायण सिंह, डॉ. विजय कुमार सिंह, रत्लेश्वर प्रसाद सिंह, परमानंद सिंह, सियाराम पोद्दार, जितेंद्र चौधरी, सुधीर चंद्र कुंवर, शिवशरण पोद्दार सहित कई सेवानिवृत शिक्षकों ने कुलपति से भेंट कर ज्ञापन सौंपा।

लॉ की परीक्षा फिर से लेने की कुलपति से मांग

जासं, भागलपुर : टीएनबी लॉ कॉलेज के छात्रों के एक शिष्टमंडल ने कुलपति डॉ एके राय से मिलकर एलएलबी तीन वर्षीय सेमेस्टर एक की पुनः परीक्षा आयोजित करने की मांग की है। शिष्टमंडल में लॉ कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अनिकेत, पूर्व कोषाध्यक्ष नीतीश कुमार, पूर्व सचिव अनुराग कुमार एवं छात्र नेता आनंद यादव आदि मौजूद थे। अनिकेत ने बताया कि छात्रों द्वारा परीक्षा का बहिष्कार किए जाने से 157 परीक्षार्थी फेल हो गए हैं। बताया कि कुलपति ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सचिव अनुराग कुमार ने बताया कि इस तरह की घटना सत्र 2016-17 के छात्रों के साथ भी हुई थी। उसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग से पुनः परीक्षा ली गई थी।

25 से पहले विवि कर्मियों को मिलेगा वेतन

जासं, भागलपुर : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके राय ने कहा है कि विवि के शिक्षकों व कर्मचारियों को 25 अक्टूबर से पहले वेतन का भुगतान हो जाएगा। विवि के सेवानिवृत्त कर्मियों को भी पेंशन का भुगतान साथ में ही होगा। सरकार से राशि प्राप्त हो गई है। उधर, भुस्टा के अध्यक्ष डॉ. डीएन राय ने कहा है कि कॉलेज और विवि में चेहल्लूम का अवकाश 21 अक्टूबर को दिया जाए।

DAINIK BHASHKAR, BHAGALPUR 19-10-2019

विवि बायोइंफॉर्मेटिक्स सेंटर में डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

- पीजी डिप्लोमा का कोर्स 20 हजार 300 और सर्टिफिकट कोर्स 8300 में

एजुकेशन रिपोर्टर | भागलपुर

टीएमबीयू के विवि बायोइंफॉर्मेटिक्स सेंटर में वर्तमान सत्र से पीजी डिप्लोमा इस बायोइंफॉर्मेटिक्स और छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स इन बायोइंफॉर्मेटिक्स की पढ़ाई शुरू होगी। दोनों कोर्स में इस बार पहली दफा नामांकन लिया जाएगा। कोर्स को टीएमबीयू से स्वीकृति मिल गई है। एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की कुल फीस 20 हजार 300 रुपए तथा सर्टिफिकेट कोर्स का शुल्क 8300 रुपए है। केन्द्र निदेशक प्रो. लीला चंद साहा ने बताया कि दोनों शॉर्ट टर्म कोर्स में इस बार 25-25 छात्रों का नामांकन लिया जाएगा। नामांकन मेधा के आधार पर होगा जिसके फॉर्म केन्द्र से सीधा या विवि की वेबसाइट से प्राप्त होगा। नामांकन फॉर्म 25 नवंबर तक जमा लिया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया पांच दिसंबर तक चलेगी और कक्षाएं 10 दिसंबर से शुरू होंगी। प्रो. साहा ने बताया कि दोनों कोर्स छात्रों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। बायोइंफॉर्मेटिक्स को कंप्यूटेशनल बायोलॉजी भी कहा जाता है।

साइंस से ग्रेजुएट छात्र दोनों कोर्स में दाखिला ले सकते हैं

बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जेनेटिक्स, केमिस्ट्री, फार्मेसी, फिजिक्स, गणित, इंजीनियरिंग के छात्र बायोइंफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। साइंस ग्रेजुएट छात्र दोनों कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। साइंस पीजी छात्रों को भी मौका मिल सकता है।

मिलेंगे रोजगार के कई अवसर

प्रो. साहा ने बताया कि ये कोर्स प्रोफेशनल डाटाबेस डिजाइन व मेंटनेंस, सीक्वेंस एनालाइसिस, प्रोटीन की संरचना के अध्ययन में उपयोगी हैं। ऐसे प्रोफेशनल के लिए विभिन्न कंपनियां डेटा साइंटिस्ट, क्लहनिकल फार्माकोलॉजिस्ट, इंफॉर्मेटिक्स डेवलपर, कंप्यूटेशनल केमिस्ट, बायोएनालिटिक्स के पदों पर रोजगार देती हैं। कॅरियर की शुरुआत में इन पदों पर औसतन 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह वेतन मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद वेतन 60 से 70 हजार रुपए प्रतिमाह हो जाता है। बड़ी रिसर्च कंपनियों में इससे अधिक सैलरी मिलती है।